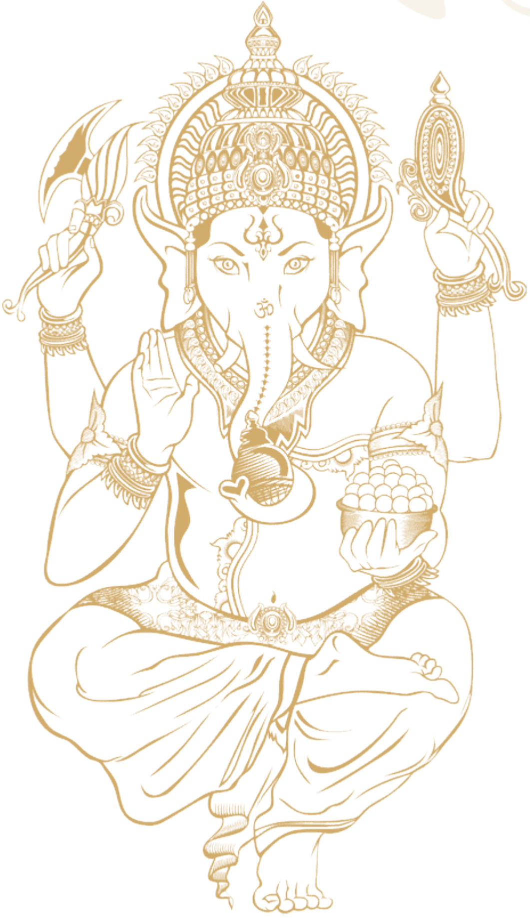

Sonia Jind Vch

01 Nov 2001

11:08 AM

Hansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121829809

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **01/11/2001**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	: **11:08:00 घंटे**
इष्ट	: 11:13:15 घटी
स्थान	: **Hansi**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:06:00 उत्तर
रेखांश	: 76:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:25:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 10:42:04 घंटे
वेलान्तर	: 00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	: 13:24:24 घंटे
सूर्योदय	: 06:38:41 घंटे
सूर्यास्त	: 17:40:12 घंटे
दिनमान	: 11:01:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 14:59:15 तुला
लग्न के अंश	: 12:46:30 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: धनु - गुरु
राशि-स्वामी	: **मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: सिद्धि
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: गज
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: मृग
युँजा	: पूर्व
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:46:30	343:06:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	14:59:15	01:00:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			मेष	14:57:48	12:40:12	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	09:13:35	00:41:30	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कन्या	26:51:22	01:13:55	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:48:39	00:00:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	26:57:46	01:14:55	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:00:10	00:03:32	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	04:16:17	00:08:14	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	04:16:17	00:08:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:01:58	00:00:04	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:10:17	00:00:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:54:34	00:01:59	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	28:55:47	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:39

लग्न-चलित

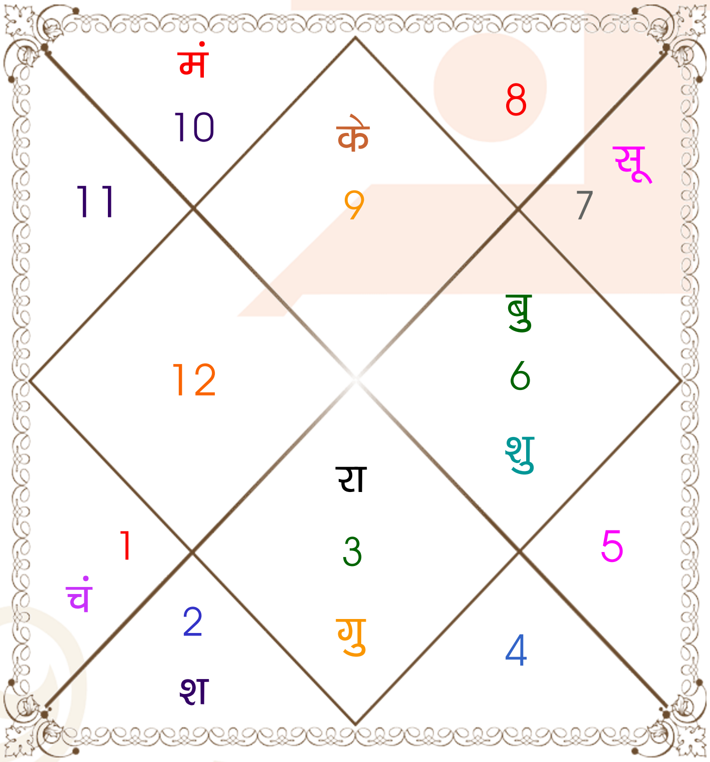

चन्द्र कुंडली

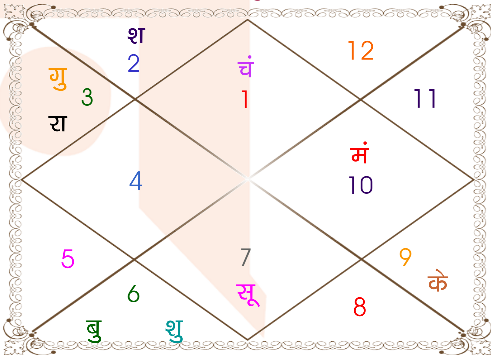

नवमांश कुंडली

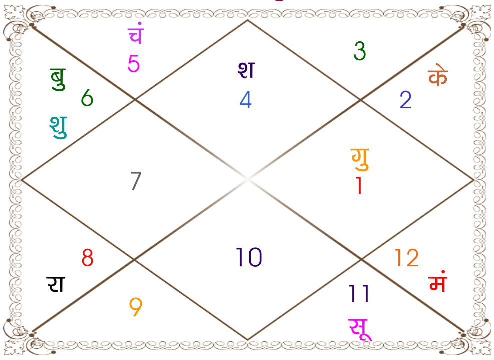

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 6 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
01/11/2001	**23/05/2019**	**22/05/2025**	**23/05/2035**	**23/05/2042**
23/05/2019	**22/05/2025**	**23/05/2035**	**23/05/2042**	**22/05/2060**
शुक्र 21/09/2002	सूर्य 10/09/2019	चंद्र 23/03/2026	मंगल 19/10/2035	राहु 02/02/2045
सूर्य 22/09/2003	चंद्र 10/03/2020	मंगल 22/10/2026	राहु 06/11/2036	गुरु 28/06/2047
चंद्र 22/05/2005	मंगल 16/07/2020	राहु 22/04/2028	गुरु 13/10/2037	शनि 04/05/2050
मंगल 23/07/2006	राहु 10/06/2021	गुरु 22/08/2029	शनि 21/11/2038	बुध 21/11/2052
राहु 22/07/2009	गुरु 29/03/2022	शनि 23/03/2031	बुध 19/11/2039	केतु 09/12/2053
गुरु 22/03/2012	शनि 11/03/2023	बुध 22/08/2032	केतु 16/04/2040	शुक्र 09/12/2056
शनि 23/05/2015	बुध 15/01/2024	केतु 23/03/2033	शुक्र 16/06/2041	सूर्य 03/11/2057
बुध 23/03/2018	केतु 22/05/2024	शुक्र 21/11/2034	सूर्य 22/10/2041	चंद्र 05/05/2059
केतु 23/05/2019	शुक्र 22/05/2025	सूर्य 23/05/2035	चंद्र 23/05/2042	मंगल 22/05/2060

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
22/05/2060	**22/05/2076**	**23/05/2095**	**23/05/2112**	**24/05/2119**
22/05/2076	**23/05/2095**	**23/05/2112**	**24/05/2119**	**00/00/0000**
गुरु 10/07/2062	शनि 26/05/2079	बुध 19/10/2097	केतु 19/10/2112	शुक्र 02/11/2121
शनि 21/01/2065	बुध 02/02/2082	केतु 16/10/2098	शुक्र 19/12/2113	00/00/0000
बुध 29/04/2067	केतु 14/03/2083	शुक्र 17/08/2101	सूर्य 26/04/2114	00/00/0000
केतु 04/04/2068	शुक्र 14/05/2086	सूर्य 23/06/2102	चंद्र 25/11/2114	00/00/0000
शुक्र 04/12/2070	सूर्य 26/04/2087	चंद्र 23/11/2103	मंगल 24/04/2115	00/00/0000
सूर्य 22/09/2071	चंद्र 24/11/2088	मंगल 19/11/2104	राहु 11/05/2116	00/00/0000
चंद्र 21/01/2073	मंगल 03/01/2090	राहु 08/06/2107	गुरु 17/04/2117	00/00/0000
मंगल 28/12/2073	राहु 09/11/2092	गुरु 13/09/2109	शनि 27/05/2118	00/00/0000
राहु 22/05/2076	गुरु 23/05/2095	शनि 23/05/2112	बुध 24/05/2119	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।